BSKC-101

कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम (FYUP)
संस्कृत (BAFSK)

सत्रीय कार्य
(First Semester)
जनवरी 2024 एवं जुलाई 2024 सत्रों के लिए

BSKC-101 लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

कला स्नातक उपाधि कार्यक्रम (FYUP)
संस्कृत (BAFSK)

सत्रीय कार्य
(First Semester)
जनवरी 2024 एवं जुलाई 2024 सत्रों के लिए

BSKC-101 लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

पाठ्यक्रम कोड : BSKC-101/2024&25

प्रिय छात्र/छात्राओं,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (ज्ड।) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। निर्देश :– सत्रीय कार्य आरम्भ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दायें सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

2) बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केन्द्र का उल्लेख करें जैसा आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : .....

नाम : .....

पता : .....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : .....

सत्रीय कार्य कोड : .....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : .....

दिनांक : .....

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

1- अध्ययन : सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढगं से व्यवस्थित कीजिए।

2- अभ्यास : उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। यह सुनिश्चित कर लीजिए कि : क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3- प्रस्तुति : जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ

जनवरी 2024 सत्र के लिए 30 सितम्बर 2024

जुलाई 2024 सत्र के लिए 31 मार्च 2025

सत्रीय कार्य

जनवरी 2024 एवं जुलाई 2024 सत्रों के लिए

पाठ्यक्रम कोड –**BSKC-101**

पाठ्यक्रम शीर्षक– लौकिक संस्कृत पद्य साहित्य

प्रश्न –01 निम्नलिखित में से किन्हीं चार की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए –

4 × 20 =80

क. वपुर्विरूपाक्षमलक्ष्यजन्मता, दिगम्बरत्वेन निवेदितं वसु।
वरेषु यद् बालमृगाक्षि! मृग्यते, तदस्ति किं व्यस्तमपि त्रिलोचने।।

ख. तथा समक्षं दहता मनोभवं
पिनाकिना भग्नमनोरथा सती ।
निनिन्द रूपं हृदयेन पार्वती
प्रियेषु सौभाग्यफला हि चारुता ।।

ग. कृताभिषेकां हुतजातवेदसं
त्वगुत्तरासङ्गवतीमधीतिनीम् ।
दिदृक्षवस्तामृषयोऽभ्युपागमन्
न धर्मवृद्धेषु वयः समीक्ष्यते ।।

ध. द्विषां विघाताय विधातुमिच्छतो, रहस्यनुज्ञामधिगम्य भूभृतः ।
स सौष्ठवौदार्यविशेषशालिनीं, विनिश्चितार्थामिति वाचमाददे ।।

ड. कुले प्रसूतिः प्रथमस्य वेधसस्त्रिलोकसौन्दर्यमिवोदितं वपुः।
अमृग्यमैश्वर्यसुखं नवं वयस्तपःफलं स्यात् किमतः परं वद।।

प्रश्न –02 निम्न लिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

04×05=20

क. महाकवि कालिदास की रचनाओं में प्रतिपादित शिक्षाओं को उजागर कीजिए ।

ख. महाकाव्य के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालते हुए लेख लिखिए ।

ग. नीतिशतक के अनुसार विद्या की महिमा पर लेख लिखिए ।

घ. महाकवि भारवि की भाषाशैली को विस्तारपूर्वक लिखिए ।

ड. नीतिशतक में व्याप्त मानवीय मूल्यों पर विस्तार से लेख लिखिए ।

च. किरातार्जुनीयम् की सूक्तियों में निहितार्थ की व्याख्या कीजिए ।